M.A. - I (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-213 - Compulsory - Palikavya (Pajjopatho)

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/15028**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्विकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) अत्तानं चे पिये जञ्ञा रक्खेय्यं तं सुरक्खितं।
तिण्णमञ्ञतरं यामं परिजट्ठोरय पण्डितो।

2) अत्तानं एव पठमं पटिरुमे निसेवये।
अथञ्ञमनुसासेय्य न किलिस्सेय्य पण्डिते।

3) अत्तानञ्चे तथा कयिरा अथञ्ञमनुसासति।
सुदन्तो वत दम्मेय अत्ता हि किट दुदूमो॥

4) अत्ता हि अत्तनो नाथो को हि नाथो पयो सिया।
अन्तनाव सुदन्तेन नाथं लभति दुल्लथं॥

5) अत्तनाव कतं पांप अत्तज अत्तसम्भवं।
अभिमन्थति दुम्मेध वजिरं वस्ममथं मणिं॥

6) यस्सच्चन्तदुस्सील्यं मालुवा सालनिवोततं।
करोति सो तथत्तानं यथानं इच्छति दिसो॥

7) सुकरानि असाधूनि अत्तनो अहितानि च।
यं वे हितञ्च साधुञ्च तं वे परमडुक्करं॥

8) यो सासन अरहतं अरियानं धम्मजीविनं।
पटिक्कोसति दुम्मेधो दिट्ठी निस्साय पाचिकं।
फलानि कट्ठकस्सेव अत्तहञ्ञाय फुल्लन्ति॥

किंवा / अथवा

1) हीनं धम्मं न सेवेय्य, पमादेन न संवसे।
मिच्छादिट्ठी न सेवेय्य न सिया लोक वड्ढनो॥

2) उत्तिट्ठे नप्पमज्जेय धम्मं सुचरितं चरे।
धम्मचारि सुखं सेति अस्मिं लोके परम्हि च॥

3) धम्मं चरे सुचरितं न तं दुच्चरितं चरे।
धम्मचारि सुखं सेति अस्मिं लोके परम्हि च॥

4) यथा बुब्बुलकं पस्से यथा पस्से मरीचिकं।
एवं लोक अवेक्खन्तं मच्चुराजा न पस्सति॥

5) एथ पस्सथिमं लोक चित्त राजरथुपमं।
यत्थबाला विसीदान्ति, नत्थि सङ्गो विजानतं॥

6) यो च पुब्बे पमज्जित्वा पच्छा सो नप्पमज्जति।
सो मं लोकं पभासेति अबभा सुत्तोव चन्दिमा॥

7) यस्स पापं कतं कम्म कुसलेन विथीयति।
सोमं लोकं पभासेति अब्भा मुत्तोव चन्दिमा॥

8) अन्धभूतो अयं लोको तनुकेत्थ विपस्सति।
सकुन्तो जालमुत्तोव अप्पो सड़ाय गच्छति॥

2. 'क्रोध' कसा असावा हे क्रोध वग्गाच्या आधारे स्पष्ट करा. **16**
'क्रोध' कैसा होता है? यह क्रोध वग्ग के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

'सुसुखं वत' कसे जगावे हे सुखवग्गाच्या आधारे तुमच्या शब्दांत लिहा.
'सुसुखंवत' कैसे जीवनयापन करें यह सुखवग्ग के आधार पर तुम्हारे शब्दों में लिखिए।

3. खालीलपैकी **कोणतेही दोन** लघुत्तरी प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित में से **कोई भी दो** लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तरं लिखिए।

1) मलरहित जीवन कसे जगावे यासाठी मलवग्गात बुध्दाने सांगितलेल्या बाबींवर चर्चा करा.
मलरहित जीवन कैसे यापन करे इसलिए बुध्दने मलवग्ग में कौनकौनसी बाते बताई चर्चा कीजिए।

2) 'धम्मट्ठो' ति" चा अर्थ सांगून धम्मट्ठोवग्गातील गाथांवर प्रकाश टाका.
'धम्मट्ठो' ति" का अर्थ बतलाकर धम्मट्ठोवग्ग के गाथाओं पर प्रकाश डालिए।

3) विशुध्दीचा खरा मार्ग कोणता हे मग्गवग्गाच्या आधारे सांगून मग्गवग्गाचा सारांश लिहा.
विशुध्दी का सच्चा मार्ग कौनसा है यह मग्गवग्ग के आधार पर बतलाकर मग्गवग्ग का सारांश लिखिए।

4. खालीलपैकी **कोणतेही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**

निम्नलिखित में से **कोई भी दो** प्रश्नों के उत्तरं लिखिए।

1) पालि तिपिटक साहित्यात 'पद्यमय ग्रंथात सर्वोच्च ग्रंथ म्हणून धम्मपदाकडे जग का पाहते ते तुमच्या शब्दात स्पष्ट करा.
पालि तिपिटक साहित्य में पद्यमय ग्रंथ में सर्वोच्च ग्रंथ कहलाता है, इस दृष्टिकोन से धम्मपद को जग देखता है, यह तुम्हारे शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

2) 'नाग' याचा अर्थ स्पष्ट करीत, नागवग्गाचा सारांश लिहा.
'नाग' का अर्थ स्पष्ट करते हुए, नागवग्ग का सारांश लिखिए।

3) भिक्खू कसा असावा सांगून भिक्खू जीवनाचे पालन कसे करावे हे भिक्खू वग्गाच्या आधारे स्पष्ट करा.
भिक्खू कैसा होना चाहिए बतलाकर भिक्खू जीवन का पालन कैसे करेंगे यह भिक्खूवग्ग के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**

टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) लोकवग्ग
2) पियवग्ग
3) निरयवग्ग
4) तण्हावग्ग
5) जरावग्ग

ब) एका वाक्यात उत्तरे लिहा. **4**

एक वाक्य में उत्तरं लिखिए।

1) 'धम्मपद' म्हणजे काय?
'धम्मपद' याने क्या।

2) 'बुध्द' कोणाला म्हणतात.
'बुध्द' किसे कहते है।

3) 'लोक' चा अर्थ स्पष्ट करा.
'लोक' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

4) 'दण्ड' कसा असतो ते सांगा.
'दण्ड' कैसा होता है वह बताईए।

****